जॉनी एपलसीड कौन था?

जोआन होलूब

चित्र: अन्ना डिविटो

जॉनी एपलसीड कौन था?

जोआन होलूब

चित्र: अन्ना डिविटो

विषय वस्तु

जॉनी एपलसीड कौन था?

युवा जॉनी

जॉनी का बड़ा विचार

पहले बीज बोना

जॉनी ने अपने बागों की देखभाल की

सेब का बढ़ता व्यवसाय

जॉनी की किंवदंती फैलती है

एक अच्छा सेब

मुसीबत

कठोर परिश्रम

किंवदंती ज़िंदा रहती है

जॉनी एपलसीड की समय-रेखा

विश्व की समय-रेखा

जॉनी एपलसीड कौन था?

जॉनी एपलसीड का असली नाम जॉन चैपमैन था. उन्होंने अमेरिका के मिडवेस्ट में हजारों सेब के बीज बोकर अपना " एपलसीड" उपनाम अर्जित किया. इसके लिए वो अपने जीवनकाल में ही एक किंवदंती बन गए.

जॉनी एपलसीड सेब के पेड़ लगाने के लिए सबसे अच्छी तरह से जाने जाते थे, लेकिन साथ में उन्होंने कई अन्य काम भी किए.

वो एक शांतिदूत थे जिन्होंने बाहरी बसने वाले (सेटलर्स) और मूल अमेरिकियों के बीच के झगड़ों को शांत करवाने की कोशिश की.

वो एक धार्मिक व्यक्ति भी थे जो पायनियरों को उपदेश देते थे.

वो जानवरों का मित्र थे और जब भी उनसे बन पाया उन्होंने वन प्राणियों की मदद की.

वो एक सनकी व्यक्ति थे. इसका मतलब है कि वो हमेशा अन्य लोगों से अलग तरीके से ही काम करते थे.

वो जंगल में अकेले रहते थे. वो कभी भी एक जगह नहीं बसे. और वो अजीब तरह से कपड़े पहनते थे. बसने वाले (सेटलर्स) को हमेशा उससे मिलना याद रहता था क्योंकि वो एकदम अलग दिखते थे.

वो एक अच्छे कहानीकार भी थे. जब जॉनी सेब के पौधे बेचने के लिए पायनियर्स के केबिनों में गए, तो उन्होंने सीमा पर अपने कारनामों की कहानियां भी उन्हें सुनाईं. बसने वाले (सेटलर्स) ने उन कहानियों को अन्य सेटलर्स को बताया.

समय के साथ, उनकी कुछ कहानियों को बढ़ा-चढ़ा कर पेश किया गया या उनमें कुछ फेरबदल किया गया. अब उन कहानियों को सच्चाई से अलग करना कठिन है.

जॉनी एपलसीड की किंवदंती के पीछे की असली कहानी क्या है?

अध्याय 1

युवा जॉनी

26 सितंबर, 1774 को लेमिनस्टर, मैसाचुसेट्स में, एक सामान्य दिन था. उपनिवेशवासी अपने पेड़ों से नए पके हुए सेब तोड़ रहे थे. नथानिएल और एलिजाबेथ चैपमैन खुशियाँ मना रहे थे. उस दिन उनके पहले बेटे का जन्म हुआ था. उन्होंने उसका नाम जॉन रखा, लेकिन किसी दिन वो "जॉनी एपलसीड" के नाम से जाना जाएगा.

जॉनी की एक बहन भी थी जिसका नाम एलिजाबेथ था. वो चार साल की थी. परिवार गरीब था और एक छोटे से घर में रहता था जिसे उन्होंने अपने रिश्तेदारों से किराए पर लिया था. हालाँकि जॉनी के पिता खेती और बढ़ईगीरी का काम करते थे, लेकिन वो अपने काम में बहुत सफल नहीं रहे.
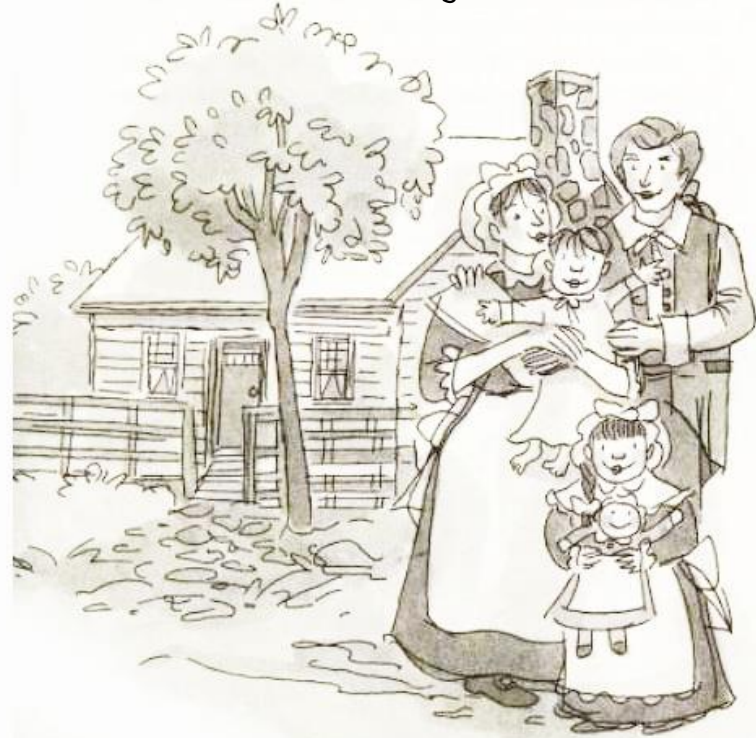
बोस्टन चाय पार्टी

आज अमेरिकी लोग चाय से ज्यादा कॉफी पीते हैं. लेकिन जॉनी एपलसीड के समय में, वो अधिक चाय पीते थे. चाय ज़्यादा लोकप्रिय थी. इसलिए, जब अंग्रेज सरकार ने चाय पर टैक्स लगाया तो उपनिवेशवासी सचमुच बहुत गुस्सा हुए.

1765 में इंग्लैंड ने कहा कि उपनिवेशवादियों को आयातित कांच, सीसा, पेंट, कागज और चाय पर टैक्स देना होगा. उपनिवेशवादी टैक्स नहीं देना चाहते थे क्योंकि कानून बनाने में उनका कुछ रोल नहीं था. उन्होंने टैक्स का भुगतान करने से बचने के लिए वो सब कुछ किया जो वे कर सकते थे.

16 दिसंबर, 1773 में, उपनिवेशवादियों के एक समूह ने चाय पर लगे टैक्स का, बड़े पैमाने पर विरोध करने का फैसला किया. वे मोहाक जनजाति के सदस्यों के वेश में, बोस्टन हार्बर में लंगर डाले जहाजों में छिप गए. जहाजों पर चाय के 542 डिब्बे लदे थे. कई उपनिवेशवादियों को चाय इतनी पसंद थी कि उसके बिना उनका जीवन काफी मुश्किल हो गया. कोई भी चाय नहीं खरीद पाए इसलिए इन लोगों ने, चाय की पेटियों को समुद्र में फेंक दिया.

इस विरोध को बोस्टन टी पार्टी के नाम से जाना गया. यह लिओमिनस्टर से सिर्फ पचास मील की दूरी पर हुआ, जहां जॉनी का जन्म नौ महीने बाद हुआ.
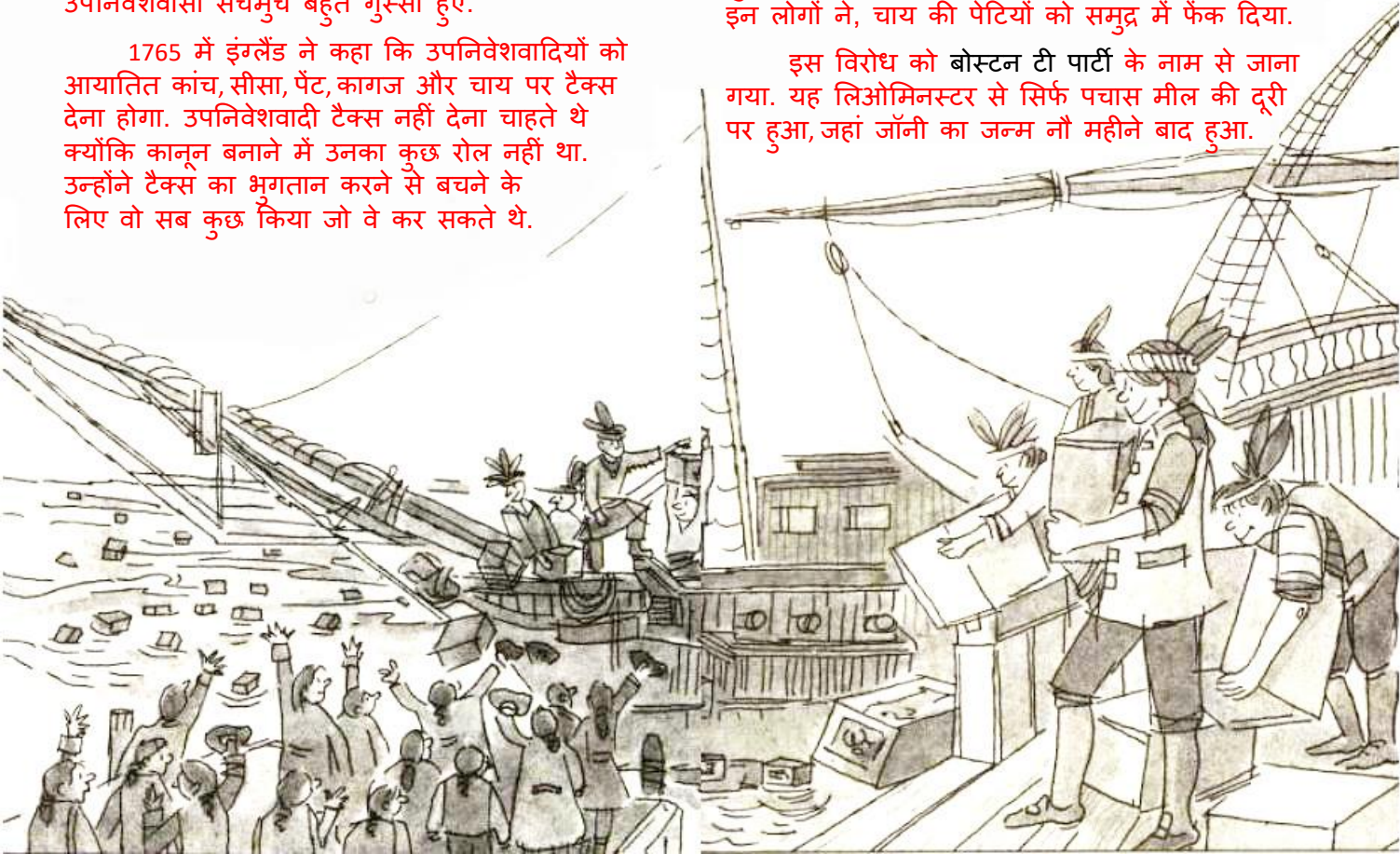
जॉनी के जन्म से कुछ समय पहले, उनके पिता ने अभी तक की तीसरी नौकरी की थी. उस समय, कई उपनिवेशवादी इंग्लैंड के खिलाफ युद्ध में शामिल होना चाहते थे. वे अलग होकर एक नया देश बनाना चाहते थे. इनमें से कई देशभक्तों की तरह, जॉनी के पिता एक "मिनटमैन" बन गए. "मिनटमेन" को एक मिनट के नोटिस पर, अंग्रेजी सैनिकों से, तेरह उपनिवेशों की रक्षा करने का वादा करना होता था.
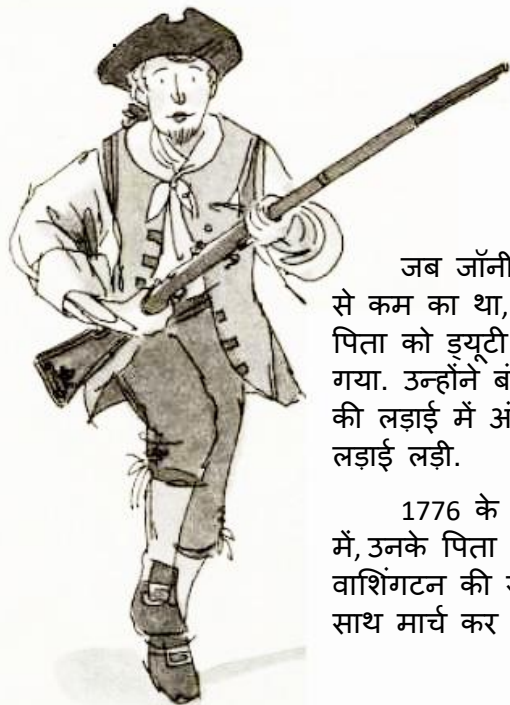
जब जॉनी एक वर्ष से कम का था, तब उसके पिता को ड्यूटी पर बुलाया गया. उन्होंने बंकर हिल की लड़ाई में अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी.

1776 के वसंत में, उनके पिता जॉर्ज वाशिंगटन की सेना के साथ मार्च कर रहे थे.

उस जुलाई में, स्वतंत्रता की घोषणा पर हस्ताक्षर किए गए थे. क्रांतिकारी युद्ध में उपनिवेश, इंग्लैंड से अपनी स्वतंत्रता के लिए लड़ रहे थे.

उसी साल, जॉनी के दूसरे जन्मदिन से पहले, कुछ भयानक हुआ. उसकी मां और नवजात भाई की मृत्यु हो गई. उस समय जॉनी शायद उस हादसे को समझने के लिए बहुत छोटा था, लेकिन निस्संदेह उसे अपनी माँ की कमी खली होगी. चूंकि उनके पिता अभी भी सेना में थे, इसलिए जॉनी और उसकी बहन अपने दादा-दादी के साथ रहने चले गए.

पांच साल की उम्र में जॉनी को एक नई सौतेली माँ मिली. उनके पिता ने लुसी कूली नाम की महिला से शादी की और सेना छोड़ दी. फिर चार लोगों का परिवार पास के लॉन्गमेडो शहर में रहने चला गया.

अगले वर्षों में चैपमैन परिवार में दस और बच्चे पैदा हुए. कल्पना करें एक छोटे से फार्महाउस में इतना बड़ा परिवार!

शांति पाने के लिए, जॉनी अपना अधिकांश समय बाहर ही बिताता था. कनेक्टिकट नदी उसके घर के पास बहती थी और उसके पास ही एक जंगल था.

चैपमैन परिवार

नथानिएल

लुसी

एलिज़ाबेथ

जॉनी

नथानिएल

अर्नेर

पियर्ली

लुसी

पैटी

पर्सिस

मेरी

जोनाथन

डेविस

सैली

जॉनी भीड़भाड़ वाले फार्महाउस की तुलना में घर के बाहर बेहतर महसूस करता था. जंगल में, वो मूल अमेरिकियों और सीमा पर घूमने वाले लकड़हारों की तरह ही स्वतंत्र महसूस करता था.

लॉन्गमेडो में एक स्कूल था, जिसमें जॉनी ने कुछ सालों तक पढ़ाई की. वहाँ उन्होंने "गोल हाथ" नामक हस्तलेखन शैली में लिखना सीखा. उसे किताबों से प्यार हो गया, जो उसके साथ जीवन भर रहा.

उस समय चौदह साल की उम्र के लड़कों को नौकरी मिल सकती थी. जॉनी ने शायद किशोरावस्था में ही सेब के बागों में काम करके सेब उगाना सीख लिया था.

सेबों में उसकी विशेष रुचि थी.

पायनियर स्कूल

सीमांत के कुछ बच्चे स्कूल नहीं जाते थे और कभी-कभी वो पढ़ना-लिखना भी नहीं सीखते थे. कुछ बच्चों को उनके माता-पिता घर पर ही पढ़ाते थे. यदि किसी इलाके में कोई स्कूल होता, तो स्कूल आमतौर पर केवल एक कमरा ही होता था जिसमें सभी उम्र के छात्रों को पढ़ना-लिखना और गणित सिखाई जाती थी.

छात्र आमतौर पर अपनी किताबें, जिन्हें प्राइमर, रीडर या स्पेलर्स कहा जाता था, लाते थे. नोहा वेबस्टर की अमेरिकी वर्तनी (स्पेलिंग) पुस्तक जो 1783 में प्रकाशित हुई थी में, बच्चों के लिए अच्छे व्यवहार वाले शब्द और कहानियों होती थीं.

अगर पर्याप्त संख्या में प्राइमर नहीं होते, तो छात्र हॉर्नबुक से सीखते थे. हॉर्नबुक एक लकड़ी की सिलेट होती थी जिसके दोनों ओर कागज का एक टुकड़ा होता था. जानवरों के सींग की एक पारदर्शी शीट ने कागजों को कवर करती थी. पारदर्शी शीट छपे पाठ की रक्षा करती थी ताकि उनका बार-बार अध्ययन किया जा सके.

शिक्षक, छात्रों के लिए बत्तखों के पंखों से कलम बनाता था. पंख का एक सिरा चाकू से नुकीला किया जाता था और लिखने के लिए उसे स्याही में डुबोया जाता था. पूरी कक्षा के लिए पर्याप्त पेन बनाने में दो घंटे लग सकते थे. पायनियर्स, स्याही पाउडर, सिरका और पानी मिलाकर अपनी स्याही खुद बनाते थे.

अध्याय दो

जॉनी का बड़ा विचार

लोंगमेडो से गुजरने वाली मुख्य सड़क काफी व्यस्त थी. कनेक्टिकट और न्यूयॉर्क से आने वाले लोग लोंगमेडो में नए समाचार लाते थे.

1783 में जॉनी को पता चला कि क्रांतिकारी युद्ध आधिकारिक तौर पर खत्म हो गया था. उपनिवेशों को आखिरकार स्वतंत्रता मिल गई थी. अब उपनिवेशों से लेकर मिसिसिपी नदी तक की सारी भूमि, उपनिवेशवादियों की थी (फ्लोरिडा को छोड़कर, जो स्पेन के स्वामित्व में था).

जब जॉनी बारह वर्ष का था, तो नए संयुक्त राज्य ने उत्तर पश्चिमी-क्षेत्र में सरकारी ज़मीन के छोटे-छोटे टुकड़ों को सेटलर्स (बसने वालों) को बेंचने की सोची.
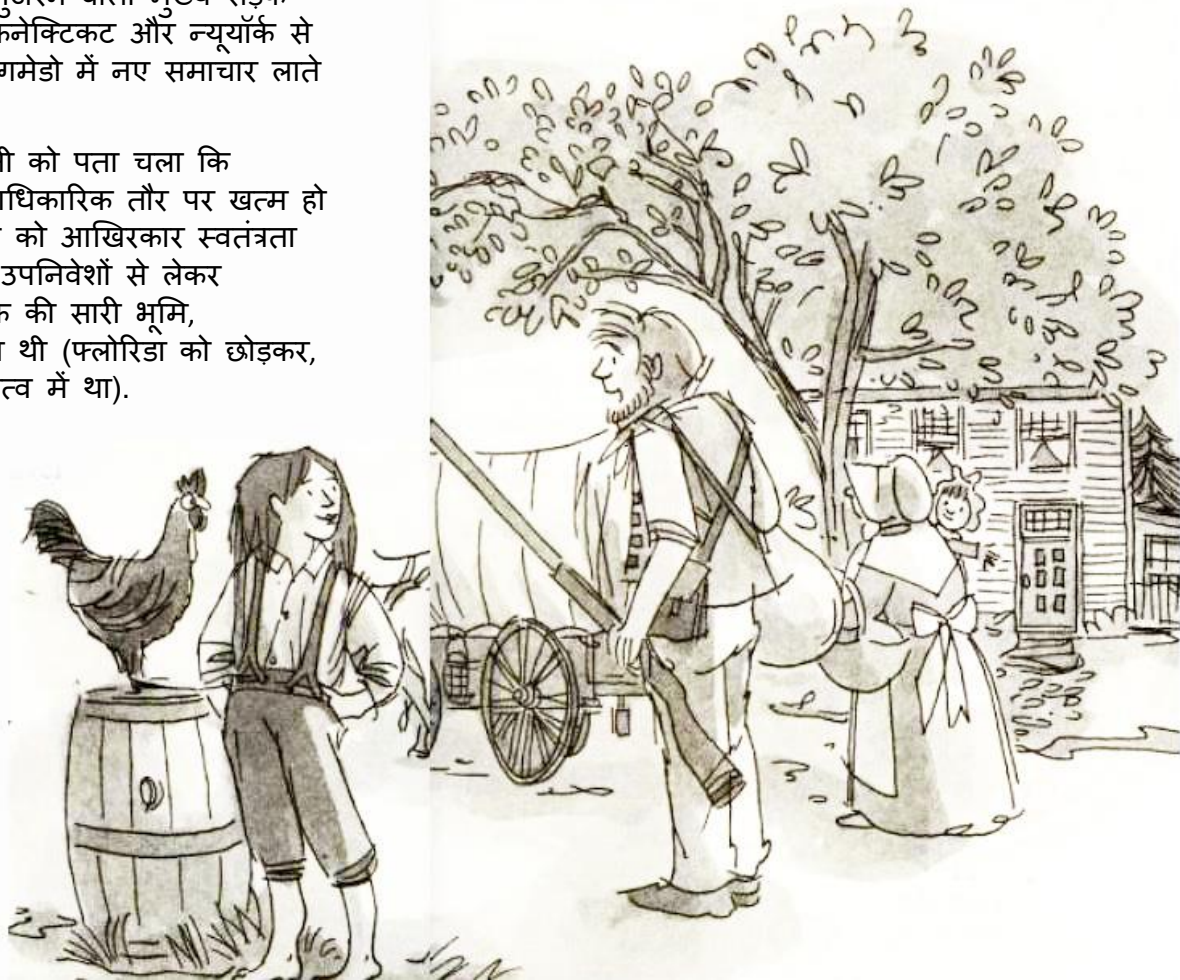
यह इलाका मिसिसिपी नदी, ओहियो नदी और महान झीलों से घिरा था. (यह बाद में इलिनोइस, इंडियाना, मिशिगन, ओहियो, विस्कॉन्सिन और मिनेसोटा का हिस्सा बना.)

ज़मीन डेवलपर्स के एक समूह ने ओहियो कंपनी का गठन किया और ओहियो भूमि की 1.5 मिलियन एकड़ जमीन खरीदी. 1788 में उन्होंने अड़तालीस अग्रणी सेटलर्स (बसने वालों) वो वहां ओहियो में मारिएटा शहर शुरू करने के लिए भेजा. वो उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में पहला स्थायी पायनियर सेटलमेंट (बस्ती) बन गई.

उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र

अगले कुछ वर्षों में, जॉनी ने बसने वालों को अपने शहर में से गुजरते हुए देखा. वे बेहतर जीवन की तलाश में पश्चिम की ओर बढ़ रहे थे.

खेत, लकड़ी, और भोजन उस क्षेत्र में उतने प्रचुर मात्रा में नहीं थे, जितने कभी पहले हुआ करते थे. जॉनी एपलसीड के समय में, किसान भूमि में खाद नहीं डालते थे. कई साल फसल उगाने के बाद जब वहां की मिट्टी अपना उपजाऊपन खो देती थी, तो वो फिर नए खेत की तलाश करते थे.

उस समय, लोगों न तो वनभूमि का संरक्षण करते और न ही जानवरों की रक्षा करते थे. चूंकि आस-पास के जंगलों को काट दिया गया था और जानवरों का शिकार कर डाला गया था, इसलिए लोगों को, लकड़ी और भोजन की तलाश में, अपने घरों से बहुत दूर जाना पड़ता था.

वे नए खेतों को स्थापित करने के लिए वैगन, घोड़े की पीठ और पैदल चल कर जाते थे. उस समय, जब पायनियरों ने कहा कि वे "पश्चिम की ओर जा रहे थे," तब वे उस स्थान की ओर जा रहे होते थे जो अब ओहिओ या इंडियाना है. आज, इन राज्यों को "मिडवेस्ट" कहा जाता है.

जॉनी जानता था कि पश्चिम में आने पर बसने वाले फल चाहते होंगे. सेब के कई उपयोग थे, और बहुत से लोगों ने उन्हें उगाया भी था. लेकिन सेब के बीजों या रोपण के पौधों के लिए बसने वालों (सेटलर्स) के पास उनकी वैगनों में जगह नहीं होगी. उससे जॉनी के दिमाग में एक आइडिया आया.

एक ढके हुए वैगन के अंदर

यदि आप अपनी यात्रा पर केवल कुछ सीमित चीज़ें ही ले जा सकते हों, तो फिर आप क्या लेकर जायेंगे? आप पीछे क्या-क्या छोड़ेंगे? पश्चिम की ओर जाने वाले पायनियरों को उसके लिए कठिन चुनाव करने पड़े.

पश्चिम जाने से पहले वे अपने घर बेच देते थे. अगर उनके पास मुर्गियां, सूअर या अन्य मवेशी होते, तो वे आमतौर पर उन्हें भी बेच देते थे. बच्चों को अक्सर अपने प्यारे पालतू जानवरों या खिलौनों को पीछे ही छोड़ना पड़ता था.

एक ढके हुए वैगन का फर्श लगभग चार फीट चौड़ा और छह से दस फीट लंबा होता था. वो एक डबल बेड के साइज जैसा होता था! वैगनों का उपयोग - सोने, सवारी करने और सामान रखने के लिए किया जाता था.

सेब का रस बनाने वाली “साइडर” मिलें कई कस्बों में स्थित थीं. वे बचे हुए सेबों का रस निकालती थीं. सेब के जूस से "साइडर" नामक पेय बनाया जाता था. सेब के बीच के हिस्से यानि कोर को फेंक दिया जाता था. जॉनी को बीच का भाग फेंकना गलत लगता था.

आखिरकार, सेब के कोर में सेब के बीज होते थे. और उसे साइडर मिलों से, सेब के बीज, एकदम मुफ्त में मिल सकते थे! हो सकता है कि वो सेब के बीजों को पश्चिम की ओर ले जाकर सेब के पेड़ उगाने का व्यवसाय शुरू कर सके.

पायनियर काल में सेब

जो तीन मुख्य खाद्य पदार्थ पायनियर खाते थे वे थे मांस, मक्का और सेब. वो पेड़ों से गिरने वाले सेबों को काटते और उनमें से कई को तुरंत खा लेते थे. कुछ को बेक करके वे "पाई" बनाते थे या फिर सेब का मक्खन निकालने के लिए उन्हें उबालते थे.

सेब का पेय "साइडर" बनाने के लिए वे उन्हें कुचलते थे. कोलोनिस्ट्स उसके रस को पीते थे. पर फसल के कुछ ही महीनों के भीतर, बचे हुए सेब सड़ने लगते थे. यह एक बड़ी समस्या थी. पायनियर्स पूरी सर्दी, फल के बिना नहीं जीना चाहते थे.

ताजे कटे हुए सेब जल्दी ही भूरे हो जाते थे. ऐसा इसलिए होता है क्योंकि सेब में मौजूद रसायन, हवा की ऑक्सीजन के साथ प्रतिक्रिया करते हैं. यह रासायनिक प्रतिक्रिया "ऑक्सीकरण" कहलाती है. ऑक्सीकरण के कारण ही लोहे की वस्तुओं में जंग लगती है.

एक बार रस निकालने के बाद फिर सेब सड़ता नहीं है. पायनियर्स सूखे सेब के टुकड़ों को सूखने के लिए एक छोटे से कमरे वाले "ड्राईहाउस" में रखते थे. लकड़ी की हलकी आग सेबों को सुखाती थी. सेब के टुकड़े जाली से बने अलमारियों पर रखे जाते थे.

दूसरा तरीका था सेब के टुकड़ों को बाहर टेबल पर धूप में सुखाने के लिए रखना. उसके बाद ततैये और मधुमक्खियां उनके रस को चूसने में मदद करती थीं!

पायनियर्स अपने सूखे सेबों को तार से बांधकर लटका देते थे और खाना पकाने के लिए आवश्यक होने तक उन्हें रसोई की छत से लटका रहने देते थे.

अध्याय 3

पहले बीज बोना

जब वो तेईस वर्ष का था, तब जॉनी ने पश्चिम की ओर जाने का फैसला किया. कोई नहीं जानता था कि आखिर उसने पश्चिम की ओर जाने का फैसला क्यों लिया. शायद उसने सुना हो कि हॉलैंड लैंड कंपनी, पेंसिल्वेनिया में जमीन बेच रही थी. हो सकता है कि उसने यह भी सुना हो कि मूल अमेरिकियों के साथ संधियों ने यात्रा को अधिक सुरक्षित बना दिया था.

उसका कारण जो भी रहा हो, जॉनी ने 1797 में पश्चिम में पेन्सिलवेनिया की ओर एक लंबी पैदल यात्रा शुरू की. उसने साथ में एक बंदूक, एक कुल्हाड़ी और भोजन का एक बैग लिया. वो नंगे पांव चलता था वो छोटी पगडंडियों से ही होकर गुज़रता था, जो उसे मुख्य सड़कों से बेहतर लगती थीं.

पेंसिल्वेनिया के जंगल में कई नए शहर बन रहे थे. उन दिनों ज़मीन से यात्रा की तुलना में नदी परिवहन आसान था. इसलिए अधिकांश प्रारंभिक बस्तियाँ नदियों के किनारे ही शुरू हुईं थीं. जॉनी, एलेघेनी नदी पर वारेन शहर के लिए रवाना हुआ.

जब वो नवंबर में बाहर निकला तो मौसम अच्छा था. लेकिन जैसे ही वो उत्तर-पश्चिमी पेनसिल्वेनिया के एलेघेनी पर्वत पर पहुंचा, वहां बर्फ़ पड़ने लगी. उसने अपने कोट से कपड़े की पट्टियों को फाड़ा, उन्हें अपने पैरों के चारों ओर लपेट लिया, और आगे बढ़ता गया.

जल्द ही बर्फ तीन फीट गहरी हो गई. वहां खतरनाक रूप से ठंड थी और जॉनी को चलने में बहुत मुश्किल हो रही थी. फिर जॉनी ने आसपास के पेड़ों से शाखें तोड़ीं और उन्हें एक-साथ बुन दिया. वो वहाँ पर और ज्यादा देर तक नहीं रुक सकता था नहीं तो उसकी मौत हो जाती.

जल्दी से, उसने कच्चे स्नो-शूज की एक जोड़ी बनाई. उसने उन्हें अपने पैरों में पहना और बर्फ के तूफान से बाहर निकल गया.

जब जॉनी वारेन पहुंचा, तो उसे पता चला कि वो कोई बड़ा शहर नहीं था. वहां सिर्फ एक लॉग केबिन था जिसके अंदर एक भूमि विक्रेता रहता था. फिर भी जॉनी, वहां पर थोड़ी देर के लिए आश्रय पाकर काफी खुश हुआ.

जॉनी ने पहले ही पेन्सिलवेनिया की साइडर मिलों से सेब के बीज एकत्र कर लिए थे.

उस सर्दी में, उसने सेब के पेड़ उगाने के लिए एक अच्छी जगह की तलाश में वॉरेन के आसपास के क्षेत्र को खोजा. जैसा कि कुछ लोग सोचते हैं, उसने सेब के बीजों को हर जगह लक्ष्यहीन रूप से नहीं बिखेरा. उसने सेब के छोटे बगीचे लगाने की योजना बनाई.

वसंत तक, उसने एक अच्छी जगह चुन ली थी. उसने ब्रोकनस्ट्रॉ नदी के किनारे अपना पहला बाग लगाया, जो वारेन के पश्चिम में एलेघेनी नदी के पास था.

पेन्सिलवेनिया में जमीन पर दावा करने के नियम थे. सबसे पहले आपको ज़मीन के लिए भुगतान करना पड़ता था. लेकिन सिर्फ वो ही नहीं था. आपको वहां एक केबिन बनाकर वहां ज़मीन पर फसल भी उगानी होती थी. जॉनी ने भूमि के दावों को स्थापित करने की कोशिश की लेकिन उसने पाया कि वो करना काफी कठिन था. भूमि की सीमाएँ अस्पष्ट थीं और कानून भ्रमित करने वाले थे.

इसलिए, कई अन्य सीमांत बसने वालों की तरह, जॉनी भी एक "स्क्वाटर" गैर-कानूनी किरायेदार बन गया. इसका मतलब है कि उसने न तो जमीन खरीदी और न ही लीज पर ली. उसने दूसरों के स्वामित्व वाली भूमि पर या फिर सरकारी भूमि पर सेब के बीज बोए.

कुछ ज़मींदार बहुत दूर रहते थे और उन्हें कभी पता ही नहीं चला कि जॉनी उनकी ज़मीन इस्तेमाल कर रहा था. उसने अन्य जमींदारों को उनकी भूमि के उपयोग के लिए अपनी फसल का एक हिस्सा देने का सौदा किया.

दुर्भाग्य से, वॉरेन में सेब का बाजार बहुत अच्छा नहीं था. एक साल के भीतर, जॉनी ने एक और बाग लगाया. वो फ्रैंकलिन शहर के पास, एलेघेनी नदी पर पचास मील दक्षिण-पश्चिम में स्थित था. कई बसने वाले पश्चिम के रास्ते में फ्रैंकलिन से होकर गुजरे. यह उनके सेबों के लिए एक बेहतर बाज़ार था, और उन्होंने वहाँ कई वर्षों तक काम किया.

अपने सौतेले भाई नथानिएल से मिलने के अलावा, जॉनी का जीवन इस समय कठिन और अकेला था. वो खोखले पेड़ों में या पत्तों का गद्दा बनाकर सोता था. एक सर्दी के मौसम में, उसके पास खाने के लिए केवल मेवे थे.

डेनियल बूने

(1734-1820)

डेनियल बूने का जन्म जॉनी एपलसीड से चालीस साल पहले 1734 में हुआ था. जॉनी की तरह, उन्होंने भी अपने जीवन का अधिकांश समय सीमा के जंगलों में घूमते हुए बिताया.

जॉनी के विपरीत डेनियल अपनी आजीविका के लिए भालू, हिरण और ऊदबिलाव का शिकार करता था.

1769 में डेनियल ने, केंटुकी के कंबरलैंड पहाड़ों के बीच से एक गुप्त मार्ग खोज निकाला. उसने जंगल की एक सड़क बनाने में मदद की, जो एक पहाड़ी दर्रे में से होकर गुज़रती थी. उससे पायनियर्स को बड़ी मदद मिली क्योंकि उनकी वैगनों को पार करने के लिए सड़क पर्याप्त चौड़ी थी. कंबरलैंड-गैप, पश्चिम में आने वाले पायनियर्स के लिए एक प्रवेश द्वार बन गया!

अध्याय 4

जॉनी ने अपने बागों की देखभाल की

जॉनी के सेब के बाग उसे साल भर व्यस्त रखते थे.

हर पतझड़ में, पेंसिल्वेनिया के किसान अपने नए तोड़े हुए सेबों को साइडर मिलों में ले जाते थे. इसलिए उस समय बीज भरपूर मात्रा में मिलते थे. जॉनी आमतौर पर मिलों से बोरे भर-भरकर सेब के बीज एकत्र करता था.

सर्दियों के दौरान, जॉनी अपने बगीचे की बाड़ की मरम्मत करता था. बाड़, हिरण और अन्य जानवरों को उसके पेड़ों को कुतरने से रोकती थी.

वसंत और गर्मियों में, जॉनी अपने बगीचों की देखभाल करता था.

वो नए बगीचों के लिए लिए नए स्थान भी चुनता था. वो जमीन को साफ करता, झाड़ियों को काटता और खरपतवार खींचता था. फ़िर वो मिट्टी की जुताई करके सावधानी से सेब के बीज बोता था.

गिलहरी, और चूहे हमेशा अंकुरित होने से पहले ही कुछ बीज खा जाते थे.

लेकिन उससे जॉनी को कोई फर्क नहीं पड़ता था. वो बीजों को उगने के लिए छोड़ देता था और बाद में उनकी जाँच करने के लिए वापस आता था.

पूरे साल जॉनी एक ट्रैवलिंग सेल्समैन भी था. वो घर-घर जाकर बसने वाले सेटलर्स के केबिनों का दौरा करता और उन्हें सेब के बीज और पौधे बेचता था.

सेब कैसे उगते हैं?

हर वसंत में, सेब के पेड़ की शाखाओं पर कलियाँ लगती हैं. कलियां फूलों में बदलती हैं, और फूल अक्सर पाँच के समूह में उगते हैं. अधिकांश सेब के फूल पहले गुलाबी होते हैं लेकिन जल्द ही वे सफेद हो जाते हैं. प्रत्येक फूल में पाँच पंखुड़ियाँ होती हैं, जो कुछ ही दिनों में गिर जाती हैं.

एक हरे रंग की गेंद, जो एक बच्चा-सेब होता है, प्रत्येक फूल के स्थान पर उगती है. इन सेबों को तोड़कर खाया जा सकता है. सेब को हाथ से तोड़ा जाता है क्योंकि कटाई मशीनें तोड़ते समय सेबों को खराब कर सकती हैं. फिर सेबों को धोकर उन्हें क्रेट में पैक किया जाता है. रेफ्रिजरेटेड ट्रक उन्हें स्टोर तक पहुंचाते हैं.

आप अपने द्वारा खाए जाने वाले सेब के बीज से एक पेड़ उगा सकते हैं. पेड़ को अपना पहला फल देने में पांच या उससे अधिक साल लगेंगे. लेकिन आपके पेड़ के सेब उतने स्वादिष्ट नहीं होंगे. सेब के पेड़ समूहों में उगाने चाहिए. मधुमक्खियां मीठी महक वाले सेब के फूलों का परागण करती हैं जिसके परिणामस्वरूप बेहतर स्वाद वाले सेब पैदा होते हैं.
सेब उत्पादक, आमतौर पर हर वसंत में अपने बागों में मधुमक्खियों के छत्ते लगाते हैं.

सेब का अंकुर एक छोटा पौधा होता है जो एक सेब के बीज से उगता है. बाद में वो एक सेब के पेड़ के रूप में विकसित होगा. जॉनी एक पौधे को साढ़े छह सेंट में बेचता था.

जॉनी के सेब के पौधे खरीदने वालों लोगों के पास उससे पौधे खरीदने का एक अच्छा कारण था. यदि वे स्वयं सेब के बीज बोते, तो उन्हें चार फुट लंबी पौधे के लिए दो वर्ष प्रतीक्षा करनी पड़ती. जॉनी की मदद से, बसने वाले जल्दी से सेब उगाना शुरू कर सकते थे.

जब बसने वाले सेटलर्स बीजों से सेब लगाते, तो उन्हें यह पता नहीं होता था कि उन पेड़ों से उन्हें किस तरह के सेब मिलेंगे. उसका कारण परागण था. जब एक सेब का पेड़ फूल रहा होता है, तो मधुमक्खियां विभिन्न फूलों के बीच पराग फैलाती हैं, जिसके परिणामस्वरूप नए प्रकार के सेब के पेड़ बनते हैं.

सेब की फसल को बेहतर बनाने के लिए कई किसान एक साथ पेड़ बहुत से पेड़ लगाते हैं. "ग्राफ्टिंग" का अर्थ है दो पौधों को एक साथ जोड़ना. सबसे पहले, वो एक पेड़ की एक शाखा को काटते हैं जिसमें उनके पसंद सेब थे. फिर वो उस शाखा को एक दूसरे प्रकार के सेब के पेड़ के अंकुर से बांधते हैं. दो भाग अंततः एक नए प्रकार के सेब के साथ एक पेड़ में विकसित होते हैं. आज लगभग सभी सेब के पेड़ ग्राफ्टेड होते हैं.

जॉनी जानता था कि ग्राफ्टिंग सेब उगाने का एक बेहतर तरीका था. लेकिन उसे वो गलत भी लगता था. उसका मानना था कि सेब कैसे विकसित हों, इसका फैसला सिर्फ भगवान को ही करना चाहिए. इसलिए वो हमेशा अपने पेड़ों को ग्राफ्टिंग के बजाए बीजों से ही उगाता था. उसके सेब जंगली सेब थे, जो आज दुकानों के अधिकांश सेबों की तरह स्वादिष्ट नहीं थे.

सेब के फूल के भाग

पिस्टिल, सेब के फूल के बीच में होती है. यह फूल का मादा भाग होता है. एक बार दूसरे फूल से पराग के साथ निषेचित होने के बाद ओव्यूल्स (बीजाणु) बीज बन जाते हैं.

पुंकेसर फूल का नर भाग होता है जहाँ सबसे अधिक पराग कण पाए जाते हैं.
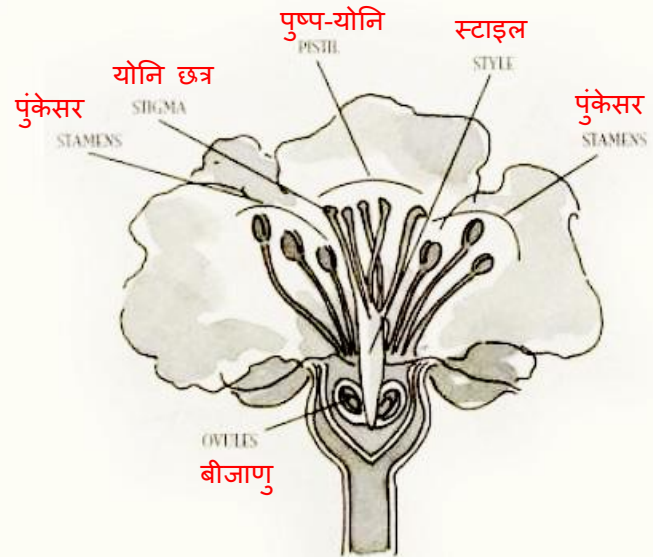
मधुमक्खी ही सेब के फूल को परागित करती हैं

1. एक सेब के फूल की पंखुड़ियों पर मधुमक्खी उतरती है. वो अपने पिछले पैरों पर छोटे-छोटे थैलों में पाउडर, जिसे पराग कहा जाता है, एकत्र करती है.

2. मधुमक्खी दूसरे फूल की ओर उड़ती है जहां वो अधिक पराग इकट्ठा करती है. पहले फूल से कुछ पराग कण दूसरे फूल के योनि छत्र में चिपक जाते हैं. इससे नए फूल के बीज बनते हैं. फूल खुद को परागित नहीं कर सकते हैं. पराग को एक फूल से दूसरे फूल तक फैलाने में मदद करने के लिए उन्हें मधुमक्खियों की आवश्यकता होती है.

अध्याय 5

सेब का बढ़ता व्यवसाय

1800 में, जनगणना के अनुसार संयुक्त राज्य में 53 लाख लोग थे. जॉनी की पसंद के लिए पेंसिल्वेनिया में अब बहुत भीड़ हो गई थी.

जब वो छब्बीस वर्ष का था, तो जॉनी एक घोड़े पर चढ़कर पेंसिल्वेनिया सीमा के पार ओहियो गया.

वो सेब के बीजों का बड़ा भार अपने साथ ले जा रहा था. उसने ओहियो के कैरोलटन शहर के पास अपना पहला सेब का बाग लगाया. उसने उत्तर और मध्य ओहियो में कई और बाग लगाए.

उस समय, अधिकांश ओहियो अभी भी भालुओं और अन्य जंगली जानवरों से भरा एक जंगल था. वहाँ बहुत ज़्यादा लोग नहीं थे, और जो वहां रहते थे वे असभ्य और जंगली लोग थे. जॉनी, कॉलोनियों में पला-बढ़ा था, इसलिए वो इन लोगों से बहुत अलग था. भले ही वो उनके जैसा नहीं था, लेकिन ऐसा लगता था कि उसे उनकी संगत में मज़ा आता था.

अगले साल जॉनी फिर से, सेब के बीज लाने के लिए पेंसिल्वेनिया की साइडर मिलों में वापस गया. एक बार, उसने दो डोंगी एक साथ बांध दीं और उन्हें सेब के बीजों से भरा और फिर नदी द्वारा घर की यात्रा की.

उस समय की कई कहानियों में जॉनी, अचानक जंगल के अंदर से प्रगट होकर बसने वाले सेटलर्स को आश्चर्यचकित करता था. कभी-कभी ऐसा लगता था कि वो हैलो कहने के लिए कहीं बाहर से अचानक प्रगट हुआ हो! कभी-कभी वो बसने वाले सेटलर्स को अमेरिकी मूल-निवासियों के शत्रुतापूर्ण आक्रमणों के बारे में चेतावनी भी देता था.

नई संयुक्त राज्य सरकार ने फैसला किया कि कोई क्षेत्र तब एक राज्य बन सकता था जब उसकी आबादी साठ हजार तक पहुंच जाए. इस तरह 1803 में ओहियो सत्रहवाँ राज्य बना. जॉनी ने महसूस किया कि दूर पश्चिम में बसने वाले पायनियर्स के लिए मध्य ओहियो क्षेत्र एक प्रमुख मार्ग बन जाएगा. इसलिए उसने अपने ओहियो स्थित बगीचों पर अधिक ध्यान देना शुरू किया.

भविष्य की कल्पना करने की इस क्षमता ने जॉनी को अमेरिकी सेटलमेंट के इतिहास में इतना महत्वपूर्ण बनाया. उसमें यह पता लगाने की क्षमता थी कि लोग अगले स्थान पर कहाँ जाने वाले थे. इससे पहले कि लोगों की एक बड़ी भीड़ किसी नए क्षेत्र में जाती, वो किसी तरह उनसे पहले ही वहां पहुँच जाता और वहां सेब के पेड़ लगाता था.

अन्य किसानों ने भी जॉनी की तरह साइडर मिलों से सेब के बीज एकत्र किए. उन्होंने सीमांत में भी सेब के बाग लगाए. लेकिन उनमें से ज्यादातर लोग अपने बागों के आसपास ही बस गए. उन्होंने घर बनाए और फिर परिवार शुरू किए. पर जॉनी लगातार घूमता रहा और सेब के पेड़ लगाता रहा.

जॉनी ने तीन राज्यों में कई सेब के बाग लगाए. ऐसा किसी और व्यक्ति ने नहीं किया.

नई ओहियो राज्य सरकार ने, ज़मीन के छोटे टुकड़े बेंचना शुरू किये. जब जॉनी पैंतीस वर्ष का हुआ, तब तक उसने कुछ ज़मीन खरीदने के लिए पर्याप्त धन बचा लिया था. यह उसकी पहली खरीदी हुई जमीन थी.

जॉनी ने अपने पिता को ओहियो के समृद्ध खेतों के बारे में बताया. 1805 में उसके पिता अपने परिवार को बसने के लिए मैरिएटा, ओहियो आ गए. जॉनी उनके साथ नहीं रहता था. मैरिएटा काफी समय पहले ही बस गया था और वहां पहले से ही पर्याप्त सेब के बगीचे थे.

ओहियो कंपनी चाहती थी कि बसने वाले ओहियो में जमीन खरीद लें और वहीं बस जाएं.

इसलिए उन्होंने एक नियम बनाया कि बसने वाले सेटलर्स को उनके द्वारा खरीदी गई एक सौ एकड़ भूमि पर पचास सेब और बीस आड़ू के पेड़ अवश्य लगाने होंगे. कंपनी का मानना था कि जमीन पर इतने पेड़ लगाने के बाद बसने वालों के वहीं पर रहने की अधिक संभावना होगी.

यह नियम जॉनी एपलसीड के लिए काफी भाग्यशाली साबित हुआ. ओहियो के निवासी अब सेब के बगीचे लगाने की जल्दी में थे. और फिर वे जॉनी के पौधे खरीदने को बेताब थे.

अध्याय 6

जानी की किंवदंती फलती-फूलती है

नॉर्थवेस्ट टेरिटरी का पहला अखबार 1793 में ओहियो के सिनसिनाटी में प्रकाशित हुआ. लेकिन सीमांत में बसने वाले सेटलर्स को शायद बाइबल के अलावा अन्य कोई अखबार या किताब देखने का मौका न मिला हो.

अधिकांश केबिन एक-दूसरे से बहुत दूर-दूर होते थे, और बसने वाले बाहरी लोगों से बहुत कम ही मिलते थे. इसलिए जब जॉनी सेब का कारोबार करने और सेब के पौधे बेचने के लिए उनके केबिन में पहुँचता को लोग उसे देखकर खुश होते थे. इसके अलावा, जॉनी सिर्फ पौधे ही नहीं लाता वो अपने साथ समाचार और कहानियाँ भी लाता था.

जॉनी एक अच्छा कहानीकार था और वो बसने वालों का मनोरंजन करने के लिए अपने जंगल के रोमांच और अनुभव सुनाता था. उसने भालुओं, भेड़ियों और अन्य जंगली जानवरों से बचने और भागने की अपने जीवन की सच्ची कहानियां सुनाईं. उसने अपने घावों को गर्म लोहे के टुकड़े से ठीक करने की बात बताई. और उसने लोगों को वो कहानी सुनाई जब उसने अपनी डोंगी को एक नाले पर तैरते हुए बर्फ के एक बड़े टुकड़े पर रख दिया. बर्फ के टुकड़े के कारण वो बहुत तेज़ी से आगे बढ़ा. डोंगी को खेकर वो कभी इतनी तेज़ी से आगे नहीं बढ़ सकता था. दुर्भाग्य से, वो वहां पर सो गया और उसकी मंज़िल - जहाँ वो उतरना चाहता था, बहुत पीछे छूट गई!

जब जॉनी कहानियाँ सुनाता था तो उसकी भूरी आँखें चमक उठती थीं. वो अपनी कहानियों को रोमांचक बनाना और लोगों को हंसाने के लिए अपनी आवाज का बढ़िया उपयोग करना जानता था.

जॉनी के बारे में एक बात जो लोगों को हैरान करती थी वो यह थी, कि वो हमेशा नंगे पैर ही रहता था. वो अपने सेब के कारोबार के लिए सैकड़ों मील पैदल चलता था. उसके पैरों में पहले ज़रूर चोट लगी होगी. लेकिन धीरे-धीरे उसकी एड़ियों की चमड़ी एकदम सख्त हो गई थी. अब उसके लिए चट्टानों और टहनियों पर कदम रखना कम दर्दनाक हो गया था. वो कभी-कभी लोगों को प्रभावित करने के लिए अपने पैरों की सख्त त्वचा में पिन चुभो देता था.

कुछ लोग सोचते थे कि शायद उसके पैरों में कुछ जादू था. फिर अफवाहें फैलना शुरू हो गईं. लोगों ने कहा कि वो नदियों को छलांग लगाकर पार कर सकता था या फिर अपने नंगे पैरों से बर्फ पिघला सकता था.

उनके पैरों के तलवे इतने सख्त थे कि सांप के नुकीले दांत भी उनमें छेद नहीं कर सकते थे!

लोग जॉनी के कपड़ों के बारे में भी चर्चा करते थे. कुछ के अनुसार वो अपने सिर पर उल्टा खाना पकाने का बर्तन पहनता था! वो अपनी आँखों को धूप से बचाने के लिए बर्तन की किनार का उपयोग करता था. हो सकता है उसने ऐसा कई बार किया हो. खाना पकाने के बर्तन को ले जाने और धूप से अपना चेहरा ढकने का यह एक अच्छा तरीका हो सकता था. लेकिन ज्यादातर समय, वो शायद अपने बर्तन को अपनी पीठ के थैले में ही रखता होगा.

जॉनी, कॉफी के पुराने बोरों से अपनी शर्ट बनाता था जिसमें वो अपने सिर और बाहों के लिए छेद करता था. हालाँकि वो नहाता था, लेकिन उसे इस बात की बिल्कुल परवाह नहीं थी कि वो कैसा दिखता था.

उसे जो कुछ भी मिलता, वो पहन लेता था. एक बार, उसे एक पुराना बूट और एक मोकासिन (हिरण की खाल का जूता) मिला. फिर उसने उन्हें अपने एक-एक पैर में पहन लिया.

जो लोग जॉनी से कभी मिले भी नहीं थे, वे लोग भी जॉनी से मिलने का दावा करते थे, और उसके बारे में कहानियां गढ़ते थे. पायनियर परिवार जो जॉनी को जानते थे वे उसकी साहसिक कहानियां दूसरे लोगों को बताते थे. कुछ कहानियां सुनाते समय बढ़ा-चढ़ाकर पेश की जाती थीं. उससे जॉनी एपलसीड की किंवदंती बढ़ती गई, और उसके बारे में बड़ी-बड़ी कहानियां फैलती गईं.

जॉनी के बारे में कई लंबी कहानियां अतिशयोक्ति, रोमांच और हास्य से भरी हैं. वास्तविक जीवन की समस्याएं मजाकिया, आश्चर्यजनक तरीकों से आसानी से हल हो जाती थीं.

पुराने पश्चिम में श्रमिकों के प्रत्येक समूह के पास इस तरह का एक कहानी नायक होता था, जिसकी तुलना में उनका काम बहुत आसान लगता था.

कुछ अमेरिकी मूल-निवासियों का मानना था कि जॉनी कोई वैद्य (दवा देने वाला) आदमी था क्योंकि उसका हुलिया बहुत अजीब सा दिखता था. इसलिए मूल निवासी उसकी प्रशंसा करते थे और उसे कभी चोट नहीं पहुंचाते थे.

जॉनी अपनी यात्रा के दौरान इतने लोगों से मिला शायद इसलिए वो इतना अधिक प्रसिद्ध भी हुआ. जो भी उसे एक बार देखता वो उसे हमेशा याद रखता था.

पॉल बनियन एक लकड़हारा था. उसने खेतों और केबिनों के लिए बसने वालों सेटलर्स की जंगल काटने और वनभूमि साफ़ करने में मदद की. पॉल बनियन इतना ताकतवर था कि वो अपने नंगे हाथों से जमीन पर खड़े पेड़ों को खींच सकता था! और वो तब जब वो अभी भी एक बच्चा था!

जब वो एक लड़का था तब, पॉल बनियन ने एक बर्फीले तूफान से एक नीले बैल को बचाया था. उसने बैल का नाम बेबे रखा, और फिर बेबे उसका आजीवन सबसे अच्छी दोस्त बना रहा.

पेकोस बिल, टेक्सास का एक काऊबॉय था. किंवदंती के अनुसार, जब वो सिर्फ एक बच्चा था, उसके माता-पिता पश्चिम चले गए. जैसे ही उनकी ढंकी हुई वैगन ने पेकोस नदी पार की, बिल नदी में गिर गया. जंगली कोयोट्स (लोमड़ी) के एक परिवार ने उसे बचाया और उसे पाला.

इस तरह की अजीब परवरिश के साथ, पेकोस बिल एक बहुत ही असामान्य काऊबॉय के रूप में बड़ा हुआ. एक दिन जब एक रैटलस्नेक (सांप) ने उसे परेशान किया, तो बिल ने सांप का एक फंदा बनाकर एक बैल को पकड़ा और इस तरह मवेशियों को रस्सी के फंदे से पकड़ने का आविष्कार किया! बाड़ के लिए ज़मीन में गड्ढे खोदना थका देने वाला काम था. इसलिए बिल ने उसके लिए जंगली कुत्तों का इस्तेमाल किया. उसने डाकुओं के एक गिरोह के लिए लाइटनिंग नाम के एक जंगली घोड़े को भी वश में कर लिया.

समय के साथ-साथ पायनियरों ने भी, जॉनी एपलसीड के बारे में किस्से सुनाना शुरू किए. टेलीविजन से पहले, लोक नायकों के बारे में कहानियां सुनना लोगों का एक पसंदीदा मनोरंजन था. लेकिन पेकोस बिल और पॉल बनियन असली लोग नहीं थे. जॉनी एप्लासेड वाकई में असली था.

अध्याय 7

एक अच्छा सेब

एक "अच्छा सेब" किसी अच्छे इंसान उपनाम भी होता है. जॉनी एपलसीड वाकई में एक "अच्छा सेब" था.

कभी-कभी वो बसने वाले सेटलर्स की केबिन बनाने में, या पेड़ काटने में मदद करता था. वो जानता था कि वे पश्चिम में अपने लिए नया जीवन बनाने के लिए बेहद कड़ा संघर्ष कर रहे थे.

यदि लोग जॉनी को सेब के पौधों के लिए पैसे नहीं दे पाते थे, तो वो उन्हें मुफ्त में दे देता था.

जॉनी आमतौर पर बसने वालों के केबिन में जाते समय अपने साथ कुछ उपहार लेकर जाता था. वो बच्चों से प्यार करता था और वो उनके लिए जंगल में मिलने वाले रिबन और अन्य दिलचस्प चीजें लाता था.

अधिकांश पायनियर बच्चों के पास घर के बहुत काम ही खिलौने होते थे.

मनोरंजन के लिए, वो पहिए लुढ़काते थे और पुराने कपड़ों की गुड़ियों के साथ खेलते थे, और काठ के बने टट्टू की सवारी करते थे. बच्चे खेलने के लिए कुछ नया पाकर बहुत खुश होते थे. जॉनी बसने वालों को जड़ी-बूटियाँ भी देता था जिनका उपयोग वो दवा के रूप में करते थे

विनम्र बसने वाले सेटलर्स, जॉनी को रात भर अपने केबिन में रहने के लिए आमंत्रित करते थे. यहां तक कि जब लोग जॉनी को बिस्तर देते, तो भी वो केबिन के फर्श पर या बाहर जमीन पर ही सोने की जिद करता था. बाहर सोना जॉनी की पसंदीदा चीजों में से एक था. वो गर्म रखने के लिए खुद को, पत्तों के एक कंबल से ढकता था. यदि मौसम खराब होता, तो वो जल्दी से एक कच्ची झोपड़ी बनाता या फिर किसी खोखले पेड़ में सो जाता था.

अपनी यात्राओं के दौरान, जॉनी उन किताबों को ज़ोर से पढ़ता था जो वो हमेशा अपने साथ रखता था. वे पुस्तकें इमानुएल स्वीडनबोर्ग नाम के एक व्यक्ति द्वारा लिखी गई थीं. न्यू चर्च को, स्वीडनबोर्ग की मान्यताओं का पालन करने के लिए बनाया गया था. स्वीडनबॉर्ग का मानना था कि दूसरों की मदद करना खुशी पाने का एक अच्छा तरीका था. वो खुद लिए सोचने और उपयोगी जीवन जीने का तरीका तय करने के महत्व में विश्वास करता था. स्वीडनबॉर्ग का मानना था कि लोगों को अलग तरीके का जीवन जीने से डरना नहीं चाहिए. आप खुद ही देख सकते हैं कि जॉनी को वे विचार क्यों पसंद थे.

यह पता नहीं कि जॉनी की पहली बार न्यू चर्च में दिलचस्पी कब हुई, लेकिन वो उन विचारों के बारे में इतना उत्साहित था कि वो उन्हें लोगों के साथ साझा करना चाहता था.

चूँकि उसके पास स्वीडनबॉर्ग की बहुत सी पुस्तकें नहीं थीं, इसलिए जॉनी ने उन्हें छोटे भागों में बाँट दिया था. वो एक छोटी पुस्तक पायनियर परिवार को उधार देता था. फिर अपनी अगली यात्रा पर, वो उस पुस्तक के अगले हिस्से को देता और पहला भाग वापिस लेता था.

जॉनी शाकाहारी था इसलिए वो बसने वालों सेटलर्स के खाने की मेज पर परोसा जाने वाला मांस नहीं खाता था. उसके अनुसार जानवरों को मारना गलत था. पायनियर्स भोजन के लिए शिकार करते थे और उन्हें जॉनी का वो विश्वास बड़ा अजीबोगरीब लगता था. जंगल में यात्रा करते समय, जॉनी अपने खाना पकाने के बर्तन में नाले का पानी उबालता था, भोजन के लिए जामुन, अनाज या आलू इकट्ठे करता था. वो जंगल में अपनी यात्राओं पर कुछ "यात्रा रोटी" भी लेकर जाता होगा. यह वो रोटी थी जो मूल अमेरिकियों ने उसे मकई से बनाना सिखाई थी.

वन्य जीवन के प्रति जॉनी की दया के बारे में कई कहानियाँ हैं. वो गिलहरियों और पक्षियों को खाना खिलाता था और जानवरों को जाल से मुक्त करता था.

वो पीटे या सताए हुए जानवरों को खरीदता और ऐसे लोगों को तलाशता था जो उनकी देखभाल करें. जब वो मधुमक्खी के छत्ते से शहद निकालता, तो वो छत्ते में मधुमक्खियों के लिए हमेशा पर्याप्त मात्रा में छोड़ देता था.

पश्चिम की ओर भारी गाडियों को खींचते-खींचते कुछ घोड़े लंगड़े हो गए थे. बसने वाले सेटलर्स ने उन्हें जंगल में छोड़ दिया था. घायल घोड़ों के लिए पर्याप्त भोजन और पानी जुटा पाना मुश्किल था. प्रत्येक पतझड़ में, जॉनी इन घोड़ों में से जितने हो सकते थे उतने घोड़ों को इकट्ठा करता था. फिर वो सर्दियों के दौरान उनकी देखभाल करने के लिए किसी को ढूंढता था. वसंत ऋतु में, वो उन्हें उस स्थान पर ले जाता था जहाँ चराई के लिए बेहतर घास होती थी.

कुछ लोगों के अनुसार जॉनी को कि रॉबिन्स (पक्षी) और टर्की के साथ कैसे संवाद करना आता था. उनके अनुसार जब जॉनी उन्हें बुलाता तो जंगली हिरण भी उसके पास चले आते थे.

एक लोकप्रिय कहानी के अनुसार एक बर्फीली रात में उसने एक खोखले तने में आश्रय लेने का फैसला किया. जब उसने लट्ठे में एक भालू और उसके शावकों को पाया, तो उसने उन्हें परेशान नहीं किया. इसके बजाए, जॉनी बर्फ में ही सो गया ताकि भालू परिवार गर्म रह सकें.

जॉनी ने कभी सांप या कीड़ों को भी नहीं मारा. एक बार, एक नए बाग में झाड़ियां साफ करते समय, एक रैटलस्नेक ने उसे डस लिया. बिना सोचे-समझे उसने जल्दी से उसे मार डाला. फिर उसे इसके बारे में भयानक अफसोस हुआ और उसके बाद उसने सांपों को कभी नहीं मारा.

सड़क बनाने में मदद करते हुए उसे एक ततैया ने काट लिया. दूसरे कामगारों ने सोचा कि वो मूर्ख था क्योंकि उसने ततैया को मारा नहीं. लेकिन जॉनी ने कहा कि ततैया का इरादा उसे चोट पहुंचाने का बिल्कुल नहीं था.

अध्याय 8

मुसीबत

1800 के दशक की शुरुआत में, हर हफ्ते अमेरिका के पूर्वी तट पर नए अप्रवासियों का शिपलोड आता था. वे जर्मनी, आयरलैंड, स्कैंडिनेविया और अन्य देशों से आते थे. उनमें से हजारों लोग पश्चिम की ओर जाते थे और वहां मूल अमेरिकी शिकार के मैदानों पर कब्जा करते थे.

शॉनी

पायनियर्स पेड़ों को काटते थे और उनके स्थान पर केबिन और खेतों का निर्माण करते थे. बसने वाले सेटलर्स भोजन के लिए जनजातियों के ज़रूरी जानवरों का शिकार करते थे. मूल अमेरिकी सदियों से इस क्षेत्र में रहते आए थे. अब अचानक पायनियर उस जमीन पर अपना दावा बोलने लगे.

डेलावेयर

कई बसने वाले जॉनी के दोस्त थे. लेकिन कई मूल अमेरिकी भी जॉनी के मित्र थे. जॉनी ने उनसे जंगल में जीवन के बारे में बहुत कुछ सीखा था. बदले में, मूल अमेरिकी उसे क्या खाना चाहिए, किन खतरों से बचना चाहिए, और तूफानों में कैसे जीवित रहना है सिखाते थे.

बसने वालों और मूल अमेरिकियों के बीच लड़ाई काफी आम थी. इसने जॉनी को दुखी किया और उसके दोस्त भी परेशान हुए.

जॉनी को इस बात ने भी चिंतित किया कि इंग्लैंड और अमेरिका के बीच और अधिक तनाव शुरू हो गया था. अंग्रेजी जहाजों का समुद्र पर नियंत्रण था, और वे अमेरिकी जहाजों को जब्त कर रहे थे. इंग्लैंड ने सैकड़ों अमेरिकी नाविकों को अपनी नौसेना में शामिल होने के लिए भी मजबूर किया था.

अमेरिकी सरकार ने भी अंग्रेजी उत्पादों को खरीदने या अमेरिकी उत्पादों को इंग्लैंड को बेचने से इनकार किया. फिर 18 जून, 1812 को, अमेरिका ने इंग्लैंड पर फिर से युद्ध की घोषणा की!

अंग्रेजी सेना जानती थी कि अमेरिकी मूल-निवासी बसने वाले सेटलर्स से नाराज़ थे. अंग्रेज़ों ने जनजातियों से उन्हें संयुक्त राज्य से लड़ने में मदद करने के लिए कहा. कुछ कबीले सहमत भी हुए. इसने मूल अमेरिकियों और बसने वालों के बीच और भी अधिक परेशानियाँ पैदा कीं.

1812 के युद्ध के दौरान जंगल और भी खतरनाक बन गए. मूल अमेरिकी और अंग्रेजों के सैनिक दोनों अब, बसने वालों से लड़ रहे थे.

एक सितंबर की रात, ओहियो के मैन्सफील्ड में बसने वालों ने खबर सुनी कि जल्द ही उन पर हमला होगा. जॉनी ने स्वेच्छा से मदद के लिए माउंट वर्नोन तक तीस मील की सवारी की.

वो पूरी रात दौड़ता रहा, और रास्ते में अन्य बसने वालों सेटलर्स को चेतावनी देता रहा. लोगों ने जॉनी को अंधेरे में सवारी करते हुए चिल्लाते हुए सुना, "अपने जीवन के लिए भागो!" एक आदमी इतना डर गया कि उसने ठीक वैसा ही किया. लेकिन दौड़ते समय वो अपनी पैंट पहनना भूल गया!

जॉनी को लड़ाई पसंद नहीं थी. अगर कोई बसने वाला सेटलर लड़ना चाहता था, तो जॉनी ने उसे पेड़ काटने की प्रतियोगिता में भाग लेने की चुनौती देता था. अंत में, बसने वाला इतना थक जाता था कि उसका गुस्सा दूर हो जाता था. वो जंगली ज़मीन को साफ़ करने का भी एक तरीका था.
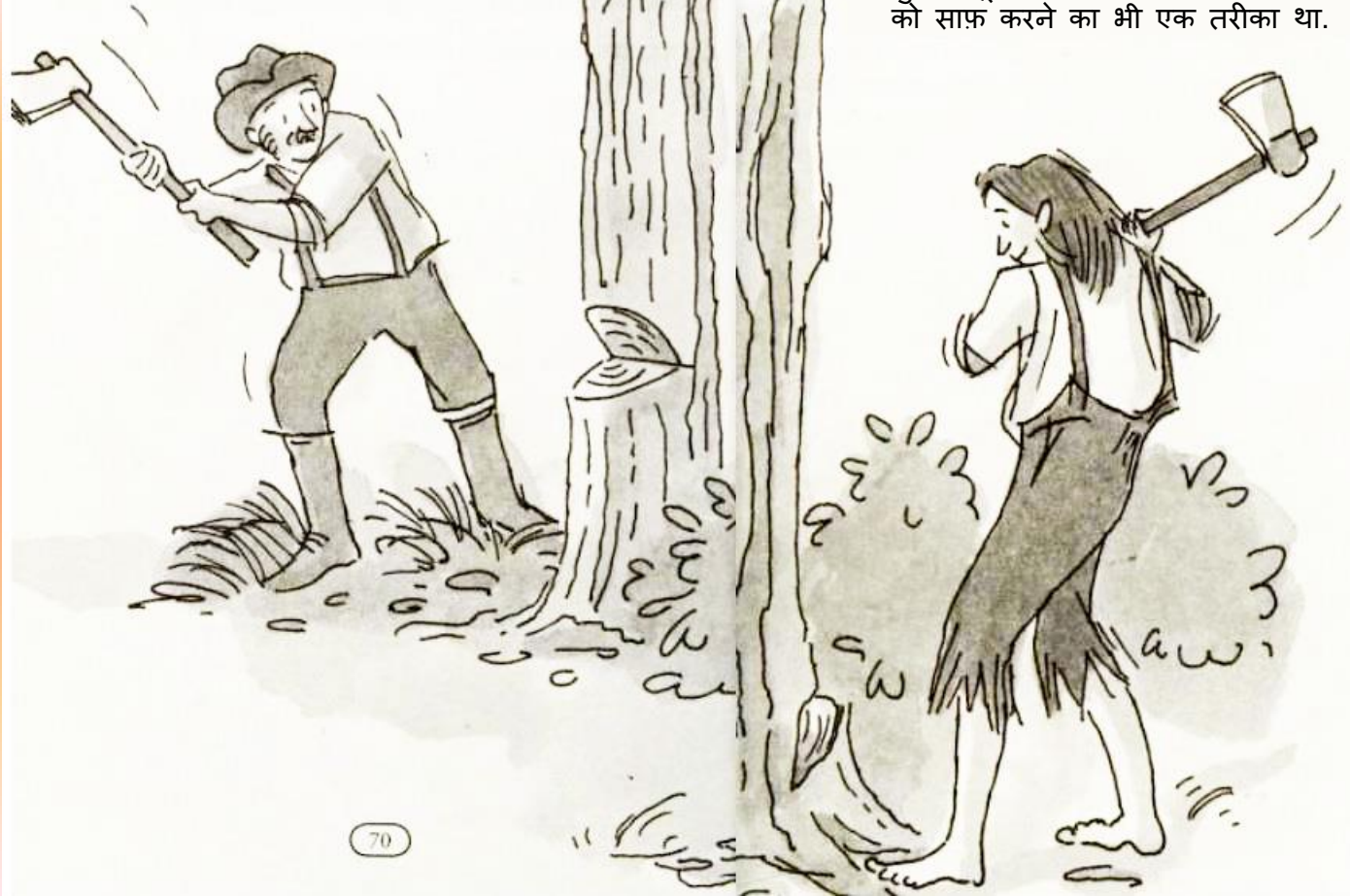
अगर अमेरिकी मूल-निवासी उससे लड़ना चाहते थे, तो जॉनी छिपने की कोशिश करता था. एक बार वो एक उथले नाले में घंटों लेटकर अमेरिकी मूल-निवासियों के एक समूह से बच निकला!

कंस्टीटूशन

युद्ध 1815 में समाप्त हुआ. तब तक, जनजाति के अधिकांश लोगों को ओहियो में अपनी भूमि से बेदखल किया जा चुका था. इतनी लड़ाई के बाद जॉनी अब शांति को तरस रहा था.

1812 के युद्ध के दौरान, अमेरिकी जहाज "कंस्टीटूशन" ने एक ब्रिटिश युद्धपोत को डुबो दिया. एक रिपोर्ट के अनुसार एक तोप का गोला "कंस्टीटूशन" से निकला. उसके बाद लोगों ने जहाज "ओल्ड आयरनसाइड्स" का उपनाम दिया.

टेकुमेश

(1768-1813)
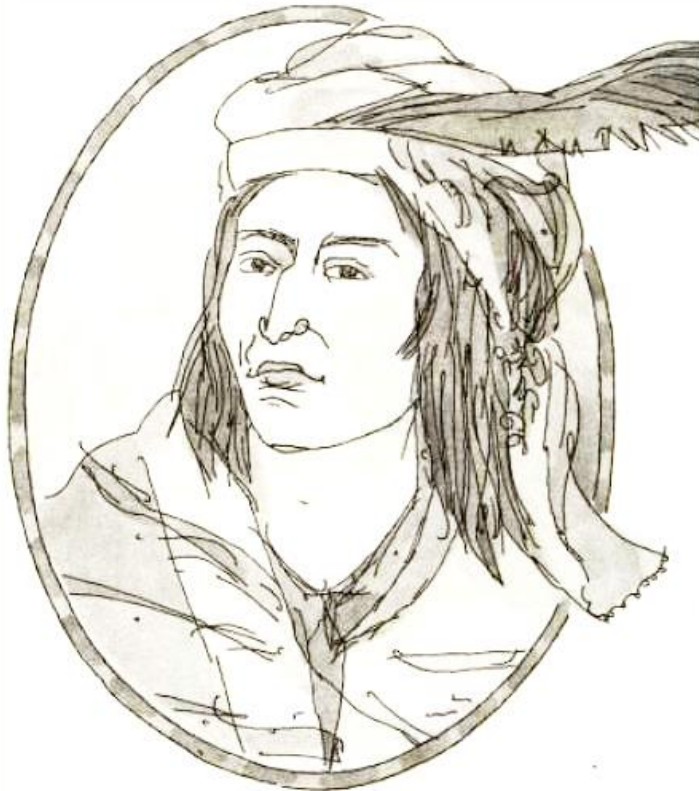
टेकुमेश एक शॉनी प्रमुख थे जिन्होंने सभी मूल अमेरिकी जनजातियों को एकजुट करने की कोशिश की. उनका मानना था कि एक-साथ मिलकर, वे पायनियरों को उनकी ज़मीन छीनने से रोक सकते थे.

नई अमेरिकी सरकार ने मूल अमेरिकियों से कई वादे किए. पर अक्सर, सरकार ने उन वादों को पूरा नहीं किया. संधियों के माध्यम से जनजातियों से भूमि ली गई थी. मूल अमेरिकियों को बहुत थोड़ा ही भुगतान मिला था.

टेकुमेश ने हज़ारों मील पैदल, डोंगी द्वारा और घुड़सवारी करके यात्रा की. उन्होंने कई प्रमुखों से बात की कि वो सेटलर्स के आक्रमण से लड़ने के लिए उसके साथ जुड़ें.

जब टेकुमेश यात्रा कर रहे थे तब अमेरिकी सैनिक उनके गांव गए. टेकुमेश की जनजाति ने सैनिकों को हराने का फैसला किया. फिर टिप्पेकानए की लड़ाई शुरू हुई जिसमें दोनों पक्षों के कई लोग मारे गए. उसके बाद अन्य जनजातियों ने टेकुमेश के विचारों में विश्वास खो दिया और एक साथ आने से इनकार कर दिया.

1812 के युद्ध में टेकुमेश ने अमेरिकियों से लड़ने के लिए इंग्लैंड का पक्ष लिया. वो 1813 में युद्ध में वो मारे गए.

अध्याय 9

कठोर परिश्रम

युद्ध समाप्त होने के बाद, जॉनी ने और जमीन खरीदना शुरू की. उसके कुछ बाग एक एकड़ से भी छोटे थे. अन्य बगीचे सैकड़ों एकड़ जमीन पर थे. जॉनी ने अपने अधिकांश जीवन में अपने बागों की देखभाल अकेले ही की.

कभी-कभी उसे कुछ कार्यों के लिए सहायता की आवश्यकता होती थी. जब वे पैंतालीस वर्ष का था, तब उसने कुछ दिनों के लिए दो लड़कों को काम पर रखा. लड़कों ने जंगल भूमि पर एक कमरे का केबिन बनाने में भी जॉनी मदद की.

प्रत्येक रात्रि, वे एक-साथ साधारण रात्रिभोज करते थे, फिर जॉनी के कैम्प फायर के पास जमीन पर सो जाते थे. रात को भेड़िये उन पर गरजते थे और उनके चारों ओर उल्लू चिल्लाते थे.

पहले तो लड़के डर गए, लेकिन जॉनी ने उन्हें चिंता न करने को कहा. लड़के ऐसी चीजों के आदी थे और जानते थे कि जानवर उन्हें चोट नहीं पहुंचाएंगे.

जॉनी का साला अक्सर सेब के बागों में उसकी मदद करता था. हालांकि, जॉनी के परिवार में कोई भी यह नहीं जानता था कि उसके पास कितनी जमीन थी या उसके पास कितना पैसा था. जॉनी कभी-कभी अपने पैसे किसी पसंदीदा पेड़ की जड़ों में दबा देता था. उसे बैंकों पर भरोसा नहीं था.

1820 के दशक में अमेरिकी बैंकों को परेशानी हुई. कई व्यवसाय विफल हो गए. जॉनी के लिए भी वो समय कठिन था. सेटलर्स ने उसकी कुछ जमीन पर भी कब्जा कर लिया. और उसे कुछ ऋण चुकाने में भी परेशानी हुई. फिर जल्द ही उसने पेन्सिलवेनिया में अपने सभी बागों को खो दिया. उनमें से कई ओहियो में भी थे. लेकिन जॉनी ने हार नहीं मानी.

1830 के आसपास, जॉनी ने इंडियाना में अपना पहला बाग लगाया. अब तक ज्यादातर लोग उन्हें जॉन चैपमैन के बजाय जॉनी एपलसीड के नाम से जानते थे. बाद के वर्षों में, उन्होंने केवल 250 अमरीकी डॉलर में 140 एकड़ जमीन खरीदी. उन्होंने अपना शेष जीवन इंडियाना के बागों में काम करके बिताया.

जॉनी ने कभी शादी नहीं की और उसके बच्चे नहीं थे. हो सकता है कि एक शोरगुल वाले घर में बड़े होने एक कारण, उसने अकेले रहना पसंद किया हो!

फिर भी, उसके प्रेम-जीवन को लेकर कई अफवाहें हैं. एक के अनुसार उसे डोरोथी डूरंड नाम की महिला से प्यार हो गया था. वो महिला भी उससे प्यार करती थी. लेकिन उनके परिवारों ने उन्हें अलग रखा क्योंकि दोनों अलग-अलग धर्मों के थे. फिर दिल टूटने से डोरोथी की मृत्यु हो गई. जॉनी उस सदमे से फिर कभी नहीं उबर पाया. वो अक्सर उसकी कब्र पर सेब के फूल चढ़ाने जाता था.

अपने जीवन के अंतिम वर्षों में, जॉनी के पास हजारों सेब के पेड़ थे और बहुत सारी भूमि थी. उसके पास शायद बारह सौ एकड़ जमीन थी. इसका मतलब यह नहीं था कि वो अमीर था, लेकिन यह संभव है कि वो और पश्चिम की ओर बढ़ने के लिए अब बहुत व्यस्त था. इसके अलावा, वेस्ट कोस्ट के सेटलर्स अभी बहुत समृद्ध नहीं हुए थे. लेकिन किसे पता - अगर वो लंबे समय तक जीवित रहता तो वो प्रशांत तट पर बसने वालों से पहले वहां भी सेब के पेड़ लगा देता.

जॉनी एपलसीड ने वही किया जिससे वो जीवन भर प्यार करता था. उसने सेब उगाए, लंबी पैदल यात्रा की, और वो कभी भी घर में नहीं बसा और न ही चीजों का मालिक बना.

जैसे-जैसे साल बीतते गए, वो घूमता रहा. वो कभी-कभी फार्महाउस में सोने के लिए जगह किराए पर लेता था. वो हमेशा यात्रा करता रहता था और उसने शायद दस हजार या उससे अधिक रातें तारों के नीचे सोते हुए बिताईं थीं.

कुछ सेब के पेड़ों की देखभाल करने के लिए एक बर्फीले तूफान में चलने के बाद, जॉनी निमोनिया से बीमार हो गया. 18 मार्च, 1845 को, जब वो सत्तर वर्ष का था, तब फोर्ट वेन, इंडियाना में उसका निधन हो गया.

जब जॉनी की मृत्यु हुई, तब तक सत्ताईस राज्य बन चुके थे. उसने उनमें से तीन राज्यों - पेंसिल्वेनिया, ओहियो और इंडियाना में सेब के बाग लगाए थे. वे नक्शे पर भूरे रंग में छायांकित हैं.

संयुक्त राज्य अमेरिका उस देश से बहुत अलग था जिसे जॉनी एक लड़के के रूप में जाना था. 1845 में टेक्सास एक राज्य बना. ओरेगन ट्रेल का राज्य ठीक उसी समय शुरू हुआ जब जॉनी एप्लासेड की मृत्यु हुई.
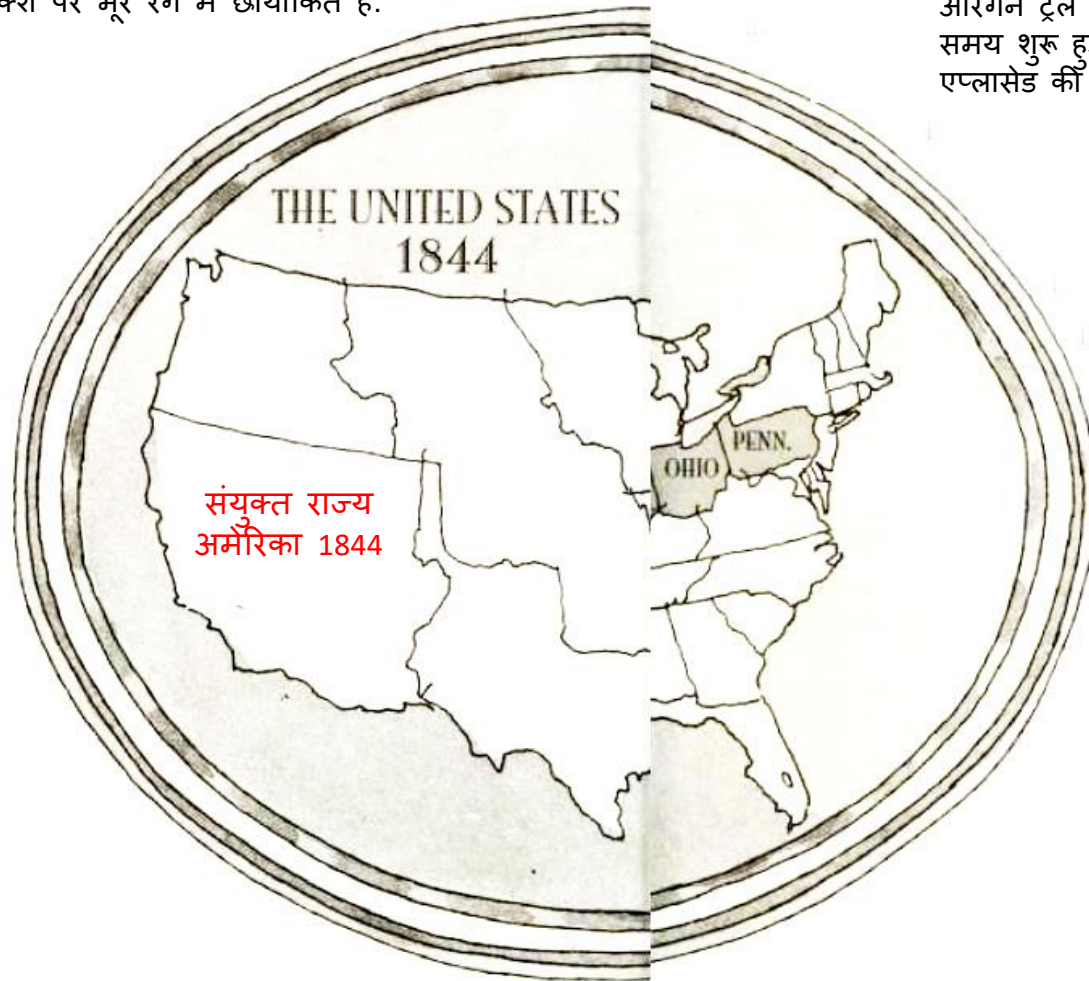
कैलिफ़ोर्निया में गोल्ड रश 1849 में शुरू हुआ. उस समय तक कैलिफ़ोर्निया अभी भी मेक्सिको का हिस्सा था. लेकिन 1850 में वो भी एक राज्य बन गया. अब देश "समुद्र से चमकते समुद्र तक" फ़ैल गया.

नए सेब की खोज

लगभग पचहत्तर सौ प्रकार के सेब दुनिया भर में उगाए जाते हैं. सेब लाल, पीले, हरे या बीच में किसी भी रंग के हो सकते हैं. कुछ मीठे, कुछ खट्टे और कुछ तीखे होते हैं. सबसे लोकप्रिय सेबों की सूची में मैकिन्टोश, रोम, ग्रैनी स्मिथ, रेड डिलीशियस, गोल्डन डिलीशियस और जोनाथन शामिल हैं. उनमें से कुछ के नाम इस प्रकार रखे गए:
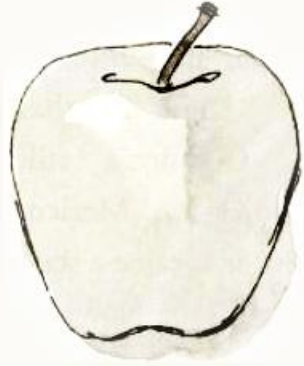
मैकिंटोश

1811 में, जॉन मिन्टोश ने कनाडा के ओंटारियो में अपने फार्म पर एक नए प्रकार के सेब की खोज की. उन्होंने इसे "मैकिंटोश रेड" नाम दिया.

"रोम" सेब को 1816 में, ओहियो के रोम टाउनशिप में खोजा गया था.

रोम

किंवदंती के अनुसार मैरी एन स्मिथ ने ऑस्ट्रेलिया में ग्रैनी स्मिथ सेब की खोज की. 1860 में, उन्होंने कुछ क्रैब-सेबों को एक ढेर में फेंक दिया. उन बीजों में से एक नया सेब का पेड़ निकला. उसके हरे सेबों को उनके सम्मान में उसे "ग्रैनी स्मिथ" नाम दिया गया.

1872 में, जेसी हयात ने पेरू, आयोवा में अपने सेब के बाग में एक असामान्य बीज की खोज की. उसने उस पेड़ को दो बार काटा, लेकिन वो वापस बढ़ता ही गया. यह अंततः एक पेड़ में बदल गया जिसमें से पुरस्कृत सेब निकले. मिसौरी में एक सेब चखने की प्रतियोगिता में एक न्यायाधीश ने कहा कि वो सेब सबसे "स्वादिष्ट" यानि डिलीशियस था. और फिर उस सेब को "रेड डिलीशियस" बुलाया गया.
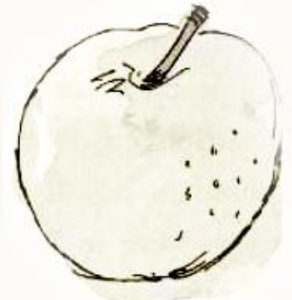
फ़ूजी सेब एक लोकप्रिय सेब है जिसे 1962 में तैयार किया गया. जापानी शोधकर्ताओं ने इसे बनाने के लिए दो तरह के सेबों को एक साथ मिलाया.

सेब की नई किस्में हर समय उगाई जाती हैं.

अध्याय 10

किंवदंती ज़िंदा रहती है

जॉनी की मृत्यु के छब्बीस साल बाद, एक लेखक ने हार्पर्स न्यू मंथली मैगज़ीन में उनके बारे में एक लेख लिखा. लेख का नाम था "जॉनी एपलसीड - ए पायनियर हीरो". पूरे अमेरिका में पाठकों ने जॉनी के असामान्य जीवन के बारे में पढ़कर आनंद लिया. कल्पना करें कि एक नंगे पांव आदमी, सेब के बीज बोने के लिए जंगल में घूम रहा हो! उसमें लोगों की दिलचस्पी बढ़ी. अब लोग उसके बारे में और जानना चाहते थे.

जॉनी ने अपने जीवन के बारे में बताने के लिए कोई पत्र या डायरी नहीं छोड़ी. सौभाग्य से, कुछ लोगों को उसमें इतनी दिलचस्पी थी कि उन्होंने कुछ खोजबीन का काम किया.

1930 के दशक में, एक लियोमिन्स्टर, मैसाचुसेट्स, फ्लोरेंस व्हीलर नामक लाइब्रेरियन ने जॉनी के परिवार के बारे में और जानने का फैसला किया.

फ्लोरेंस ने उन अभिलेखों का अध्ययन किया, जिनसे पता चलता था कि क्षेत्र में किसके पास कितनी जमीन थी और किस तारीख को उसे खरीदा-बेचा गया था. जन्म और मृत्यु के रिकॉर्ड के माध्यम से, फ्लोरेंस ने अधिक जानकारी प्राप्त की.

अब हम जॉनी के पूर्वजों की पांच पीढ़ियों के नाम जानते हैं. उससे हमें पता चलता है कि जॉनी अपने परिवार में सेब पसंद करने वाले पहले व्यक्ति नहीं था.

उनके परदादा-परदादा ने, 1670 के दशक में मैसाचुसेट्स में सेब के पेड़ उगाए थे. और उनका एक रिश्तेदार इंग्लैंड का एक धनी व्यक्ति था जिसने विज्ञान के कई प्रयोग किए थे!

ओहायो की एक महिला की भी जॉनी में दिलचस्पी थी. फ्लोरेंस मर्डॉक ने वो तमाम तथ्य एकत्र किया जो जॉनी से संबंधित थे. उनके संग्रह में जॉनी पर प्रकाशित लेख भी शामिल हैं.
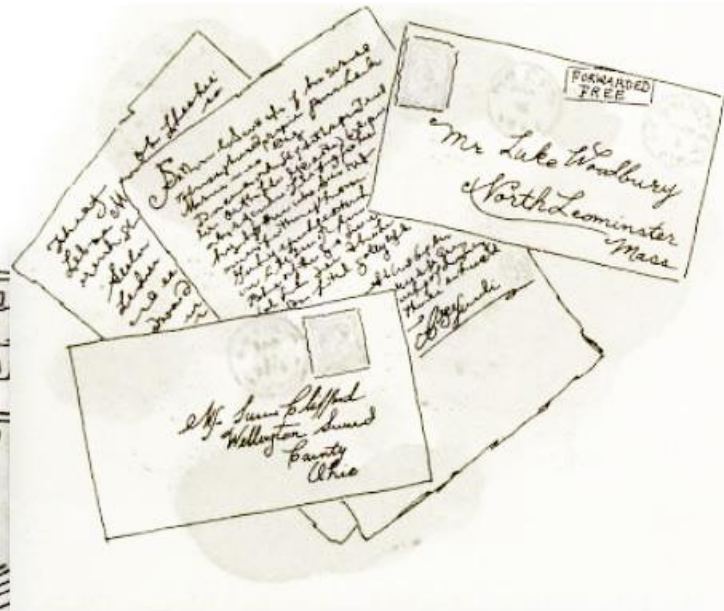
और वो पुराने पत्र भी जिनमें जॉनी का उल्लेख था. फ्लोरेंस, जॉनी द्वारा लगाए गए पेड़ों से बची कुछ पत्तियों को बचाने में भी कामयाब रहीं!
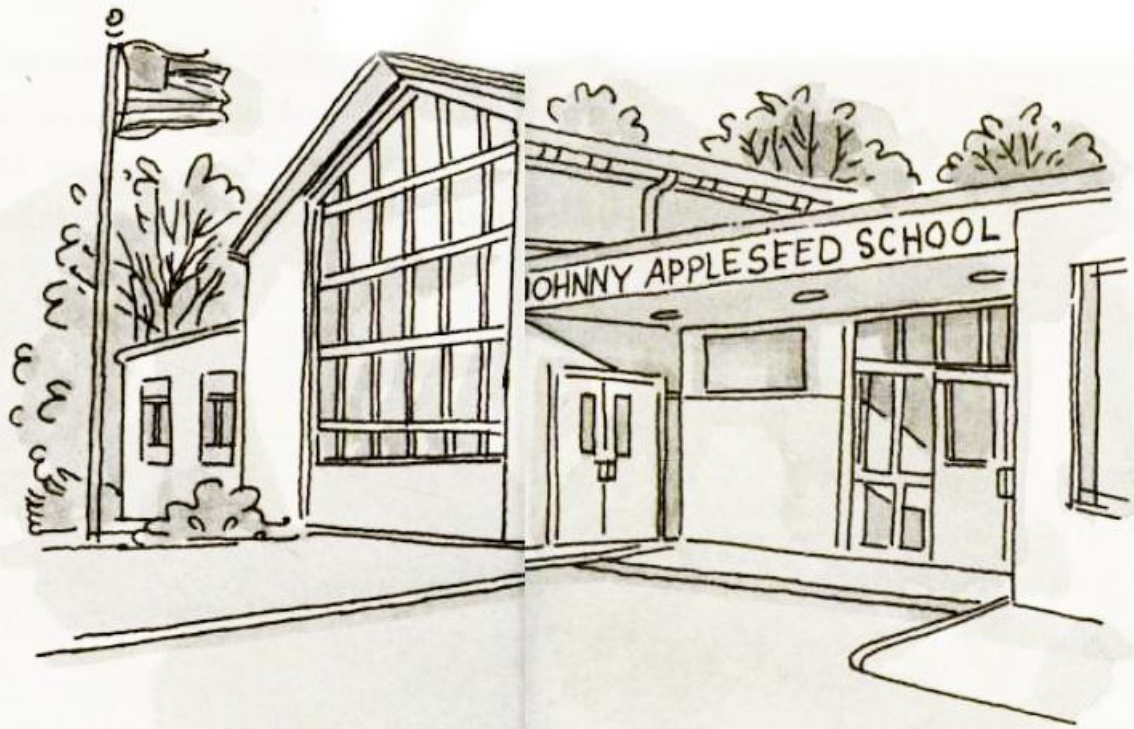
आज उनका संग्रह ओहायो के उरबाना में, जॉनी एपलसीड संग्रहालय का हिस्सा है.

जॉनी एपलसीड की किंवदंती बढ़ती ही जा रही है. उनके बारे में किताबें और गीत लिखे गए हैं. उसके बारे में कई वेबसाइटें हैं.

लियोमिन्स्टर में जॉनी एपलसीड के नाम पर एक स्कूल चालू है. उत्तरी मैसाचुसेट्स में एक आधिकारिक जॉनी एपलसीड ट्रेल भी है.

हर सितंबर, जॉनी एपलसीड उत्सव विभिन्न शहरों में आयोजित किए जाते हैं. बच्चों के लिए परेड, खेल और प्रतियोगिताएं होती हैं, यह देखने के लिए कि कौन सबसे अच्छा "एपल-पाई" बना सकता है.

फोर्ट वेन, इंडियाना में, जॉनी एपलसीड मेमोरियल पार्क का नाम उनके सम्मान में ही रखा गया है. वहां पर एक स्मारक का निशान है जिसे कुछ लोग जॉनी की कब्र मानते हैं. हालाँकि, यह अनिश्चित है कि क्या वहां पर वास्तव में जॉनी को दफनाया गया था.

जॉनी एपलसीड द्वारा लगाए गए अधिकांश पेड़ अब मर चुके हैं. लेकिन उनके कुछ पेड़ों के पौधे अब जॉनी एपलसीड संग्रहालय के बाहर उग रहे हैं.

उनके मूल पेड़ों द्वारा उत्पादित बीजों से उगाए गए कई अन्य पेड़ अभी भी मिडवेस्ट में मौजूद हैं. इसलिए आपके द्वारा खाया जाने वाला अगला सेब जॉनी एपलसीड के मूल सेबों में से किसी एक से संबंधित हो सकता है!

सेब तथ्य

• एक सेब का पेड़ चालीस फीट लंबा और एक सौ साल तक जीवित रह सकता है.

• सेब का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा हवा होती है. इसलिए सेब पानी में तैर सकते हैं.

• बहुत से सेब किसान "बौने सेब" के पेड़ उगाते हैं क्योंकि बौने पेड़ बड़े पेड़ों की अपेक्षा कम जगह घेरते हैं और सेब जमीन के करीब बढ़ते हैं.

• एक मध्यम आकार के सेब में लगभग अस्सी कैलोरी होती है.

• सेब के एक "बुशल" (भार का माप) का वजन बयालीस पौंड होता है जिसमें लगभग 115 मध्यम आकार के सेब होते हैं.

• रिकॉर्ड पर सबसे बड़ा सेब इग्लैंड के एक खेत में उगाया गया था. इसका वजन 3 पाउंड और 2 औंस था और उसका घेरा 21 इंच के आसपास था.

• सोलह वर्षीय कैथी वेफलर मैडिसो ने 1976 में न्यूयॉर्क में दुनिया का सबसे लंबा सेब का छिलका छीला. वो 172 फीट 4 इंच लंबा था.

• सेब गुलाब परिवार के सदस्य हैं.

• फल उगाने के विज्ञान को "पोमोलॉजी" कहा जाता है.

• अमेरिकी उपनिवेशवासी कभी-कभी सेब को "शीतकालीन केले" भी बुलाते थे.

• सेब सभी पचास राज्यों में उगाए जाते हैं. वाशिंगटन, न्यू यॉर्क, मिशिगन, कैलिफ़ोर्निया, पेन्सिलवाविया और वर्जीनिया सबसे अधिक सेब उगाने वाले राज्य हैं.

• सबसे अधिक सेब उगाने वाले देश चीन, अमेरिका, तुर्की, पोलैंड और इटली हैं.

• जब सेब आधे में काटा जाता है, तो आपको इसके मूल में एक पांच-बिंदु वाला-सितारा पैटर्न दिखाई देगा. पांच खंडों में से प्रत्येक में एक या दो बीज होते हैं. इसलिए हरेक सेब में, पाँच से दस बीज होते हैं.

जॉनी एपलसीड के जीवन की समय-रेखा

1774 जॉन चैपमैन, जिन्हें बाद में जॉनी एप्लासीड के नाम से जाना जाता है, का जन्म 26 सितंबर को मैसाचुसेट्स के लेमिनस्टर में हुआ

1776 जॉनी की माँ और बच्चे भाई की मृत्यु

1780 जॉनी के पिता पुनर्विवाह करते हैं और परिवार को लॉन्गमेडो, मैसाचुसेट्स ले जाते हैं

1797 जॉनी पश्चिम की ओर बढ़ता है

1798 जॉनी ने अपना पहला सेब का बाग वॉरेन, पेनसिल्वेनिया में लगाया

1801 जॉनी ने ओहियो में अपना पहला सेब का बाग लगाया

1805 जॉनी के पिता और उनके परिवार के बाकी लोग मैरिएटा, ओहियो के पास बस गए

1807 जॉनी के पिता का निधन

1809 जॉनी ने ओहियो के माउंट वर्नोन में अपनी पहली जमीन की खरीद की

1813 जॉनी ने मूल अमेरिकियों द्वारा एक संदिग्ध हमले की, ओहियो बसने वालों को चेतावनी दी

1816 जॉनी ने ओहियो के ह्यूरन काउंटी में स्वतंत्रता दिवस पर भाषण दिया

1817 इंग्लैंड में स्वीडनबोर्ग चर्च की रिपोर्ट में जॉनी के मिशनरी कार्य का उल्लेख किया गया है

1828 जॉनी एक भूमि विलेख में खुद को "सेब के बीज का संग्रहकर्ता और “बोने वाले" के रूप में वर्णित करते हैं

1830 जॉनी ने इंडियाना में अपने पहले बाग की योजना बनाई

1845 जॉनी का 18 मार्च को फोर्ट वेन, इंडियाना में सत्तर वर्ष की आयु में निधन हो गया

1871 हार्पर की न्यू मंथली मैगज़ीन में जॉनी के जीवन के बारे में एक लेख प्रकाशित हुआ, जिसने उन्हें दुनिया भर में प्रसिद्ध बना दिया

विश्व की समय-रेखा

1776 स्वतंत्र की घोषणा पर हस्ताक्षर किए गए

1783 इंग्लैंड ने क्रांतिकारी युद्ध को समाप्त करते हुए पेरिस की संधि पर हस्ताक्षर किए

1787 संयुक्त राज्य अमेरिका का संविधान स्वीकृत होता है

1787 उत्तर पश्चिमी क्षेत्र बनाया गया और बसने वालों सेटलर्स के लिए खोला गया

1788 ओहियो कंपनी ने मैरिएटा, ओहायो की स्थापना की

1789 जॉर्ज वाशिंगटन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति चुने गए

1796 एडवर्ड जेनर ने चेचक से बचाव के लिए एक टीका विकसित किया

1799 मिस्र में फ्रांसीसी सैनिकों ने रोसेटा पत्थर की खोज की, जो चित्रलिपि के अनुवाद की कुंजी है

1800 बीथोवेन ने अपनी पहली सिम्फनी समाप्त की

1803 ओहियो एक राज्य बन गया, जो उत्तर पश्चिमी क्षेत्र में पहला था

1803 राष्ट्रपति थॉमस जेफरसन ने लुइसियाना की खरीदी की

1804 लुईस और क्लार्क अमेरिका भर में अपनी अन्वेषण यात्रा पर पश्चिम की ओर बढ़े

1812 संयुक्त राज्य अमेरिका और इंग्लैंड के बीच 1812 का युद्ध शुरू हुआ

1815 फ्रांस के सम्राट नेपोलियन बोनापार्ट की हार हुई

1818 लेखक मैरी शेली ने "फ्रेंकस्टीन" पुस्तक लिखी

1818 संयुक्त राज्य अमेरिका ने तेरह धारियों और सितारों वाले एक झंडे को अपनाया

1835 प्रकृतिवादी चार्ल्स डार्विन एचएमएस बीगल नामक जहाज पर गैलापागोस द्वीप समूह पहुंचे

1836 डेवी क्रॉकेट सैन एंटोनियो, अलामो, टेक्सास में मारे गए

1843 चार्ल्स डिकेंस की पुस्तक "ए क्रिसमस कैरल" प्रकाशित हुई